# 12. कबीर के दोहे

## सोचो-बोलो

**प्रश्न :**

1. चित्र में कौन दिखायी दे रहे हैं?
2. उनके बारे में तुम क्या जानते हो?

---

**छात्रों के लिए सूचनाएँ :**

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

© SCERT not to be republished

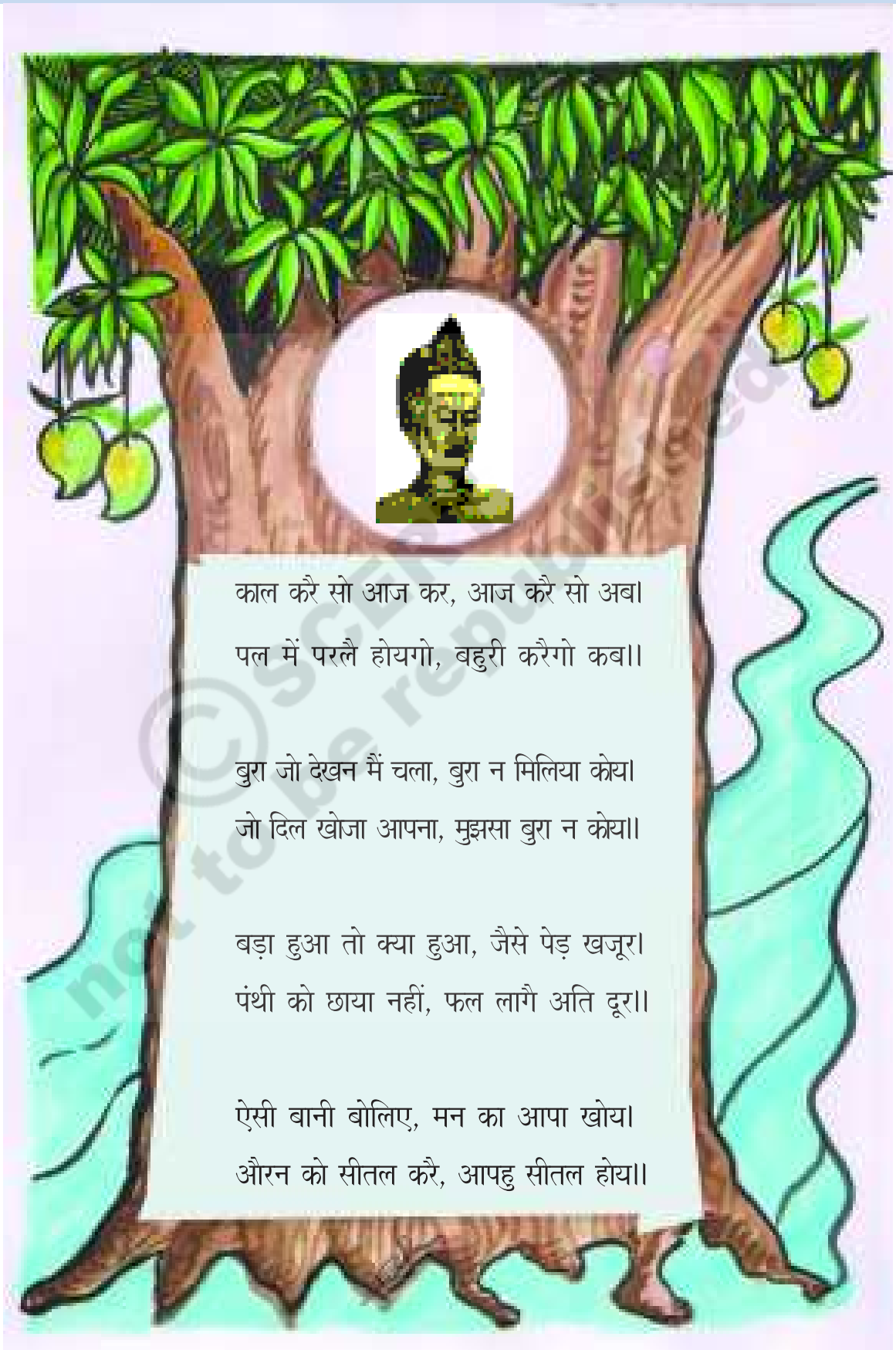

काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होयगो, बहुरी करैगो कब।।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय।।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।।

© SCERT not to be republished

## सुनो-बोलो

1. कबीरदास कवि ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। इनके दोहों में किस प्रकार की समाज सुधार की भावना थी?

2. हमारे समाज में क्या-क्या समस्याएँ हैं?

3. तुम अगर कवि होते तो कैसी कविता लिखते?

## पढ़ो

(अ) कविता पढ़ो और निम्न लिखित भाव किन पंक्तियों में आये हैं, उन पंक्तियों को लिखो।

- कबीर ने समय से पूर्व काम करने की बात की है।

.....

.....

- दूसरों की बुराई देखने से पहले अपनी बुराई देखो।

.....

.....

- दूसरों की भलाई करने वाला ही बड़ा आदमी है।

.....

.....

- हमें मधुर वचन बोलने चाहिए।

.....

.....

(आ) **दोहा ध्यान से पढ़ो। नीचे दिये दोहे को क्रम से लिखो।**

औरन को सीतल करै, मन का आपा खोय।
ऐसी बानी बोलिए, आपहु सीतल होय।।

.....

.....

© SCERT not to be republished

## लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. कबीरदास ने ''पल में परलै होयगो'' क्यों कहा?

.....

.....

2. छाया देने वाले पेड़ों के नाम लिखो।

.....

.....

3. हमें अपने साथियों के साथ आपस में कैसा व्यवहार करना चाहिए?

.....

.....

(आ) तुम अपना काम समय पर करते हो। नीचे दिये समय पर तुम क्या-क्या काम करते हो?

सुबह सात बजे : .....

सुबह नौ बजे : .....

दोपहर एक बजे : .....

शाम चार बजे : .....

रात नौ बजे : .....

## शब्द भंडार

(अ) शीतल का अर्थ है- ठंडा। कुछ ठंडी चीजों के नाम लिखो।

जैसे : बर्फ

..... .....

..... .....

..... .....

© SCERT not to be republished

## भाषा की बात

(अ) पढ़ो। अर्थ समझो।

| | |
|---|---|
| पल - क्षण | परलै - प्रलय |
| नीर - पानी | आपा - अहंकार |

## सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) समय के सदुपयोग के बारे में चार वाक्य लिखो।

.....

.....

.....

.....

**कबीर दास का परिचय :**

कबीर संत कवि हैं। वे समाज सुधारक भी थे। उनके दोहे ''बीजक'' में हैं।

इनकी भाषा ''सधुक्कड़ी'' है। इनके दोहों में मानवता की भावना है।

| क्या मैं ये कर सकता हूँ? | हाँ (√) | नहीं (×) |
|---|---|---|
| 1. दोहों के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। | | |
| 2. दोहों का सारांश अपने शब्दों में बता सकता हूँ। | | |
| 3. दोहों का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ। | | |
| 4. दोहों के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ। | | |

समय का बड़ा महत्व है। - *महात्मा गांधी*

© SCERT not to be republished